A. - २ ग्रायुबी A. - ३.३ ग्रथत्क्रयेण A. - १८ यजने शो देवता A. - २३ ते तेजस्विन A. P. ते ते तेजस्विन M. - ४. दिवाणो क्र्सि॰ A. —

Adhyáya ২. १. १ संवत्सरायं न्या A. - ibid. तहिनुवाच A. - ২. ७ ॰शहै चाः A. - १४ हिराँडे यज्ञः A. - १७ सप्त वा इति AP. - ३. १ (and ३) ह्या-वार्च्यतामङ्गा। A. P. M. The Aitareya-Brahmana omits the रू. see Böht-lingk-Roth Sanskrit-Wörterbuch, under ग्राह्यन् - ७ य वा पद्मी A. - ibid. एवम् हैतद्परेषां च A. - १२ १यज्ञन्त्राणि is my conjecture. यज्ञनंत्राणि A. M. यज्ञकृंतत्राणि P. - ३. १ धगस्थि A. —

Adhyáya ३. १. ३ इत्येते । AP. - ३. १ दोिचरि A. - २ 'स्तेनायातयाम्ना-यातययाम्ना वेदे A. - ५. २ समानधिष्ट्यास्वेव AP. Read: 'स्वेव. —

Adhyâya 8. १. ३ युक्तं चायुक्तं चरंति A. Read: संचर्कि. - १० °त्यार्त्यां वा A. - ibid. °प्रजितेन. °प्रजितया A. P. M. - ३. ६ म्रयमधि AP. - 8. ६ तुर्वि-म्रज्ञासो A. P. - ३४ वरां३४ A. ४ वरां। २॥ P. - ibid. तां३४ A. तां३४ P. —

Adhyáya ५. १. ३ निर्मियंति तथा А. - १२ नोव्हिंगति А. - १३ प्रज्ञिनियिक्विता॰ А. Р. М. - १४ द्हुंति А. - ibid. समतोः А. समेतोः Р. समत्तोः М. १७ व्विप्रे उस्याशनं А. - २. १ प्रियात् АР. - ५ कुर्यात्वाधुका А. - ७ विष्यात्वावन्व॰ А. Р. М. - ६ योऽस्य स्वर्गी М. - ibid. तमक्यत्येति А. - १० तिद्वयान्मुक्य А. Р. М. - १३ हतां । यज्ञमा॰ А. Р. —

Adhyâya ६. १. ३१ जुङ्गयात्रृचन्ना А. Р. - ४१ स वा ब्रह्म A. P. M. Are we to read स वा or स वाव? —

Adhyaya ७. १.४ यत्स्रेक्शस्त A. P. - ५ and ६ गर्दभः ॥५॥ तनाभ्या A. M.: see १३. २. २.४. - १० नमुचिरमुनर्वा M. - ६ विंद्ते स सोम इति A. - ११ स्त्रीषु